अनुक्रमणिका

भूमिका i-iii

अध्याय पृष्ठ सं.

प्रथम अध्याय : मुद्राराक्षस और उनकी रचनाएँ 1-21

द्वितीय अध्याय : सांप्रदायिकता : अवधारणा एवं स्वरूप 22-78

तृतीय अध्याय : मुद्राराक्षस की कहानियों में अभिव्यक्त सांप्रदायिकता की समस्या 79-101

उपसंहार 102-104

संदर्भ ग्रंथ सूची 105-107